24 अप्रैल 2026
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

कोरोना के बाद बदली गांवों की तस्वीर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे युवा 2

हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर बाहर निकालेंगे': अमित शाह

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल के पुरसुराह में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया
- शाह ने आलू किसानों की समस्याओं और टीएमसी के जंगल राज का मुद्दा उठाया

एजेंसी। कोलकाता

अमित शाह ने अपनी इस जनसभा में घुसपैठ, किसानों की परेशानी और राज्य की कानून-व्यवस्था जैसे बड़े मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आज बंगाल के हर कोने में टीएमसी सरकार के खिलाफ भारी गुस्सा है। जनता अब इस सरकार से पूरी तरह परेशान हो चुकी है और बदलाव चाहती है। उनका दावा है कि तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ यह गुस्सा आने वाले चुनाव के नतीजों में साफ दिखाई देगा और जनता सिर्फ कमल खिलाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अमित शाह ने अपनी इस जनसभा में घुसपैठ, किसानों की परेशानी और राज्य की कानून-व्यवस्था जैसे बड़े मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आज बंगाल के हर कोने में टीएमसी सरकार के खिलाफ भारी गुस्सा है। जनता अब इस सरकार से पूरी तरह परेशान हो चुकी है और बदलाव चाहती है। उनका दावा है कि तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ यह गुस्सा आने वाले चुनाव के नतीजों में साफ दिखाई देगा और जनता सिर्फ कमल खिलाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। केंद्रीय गृह मंत्री ने घुसपैठ को बंगाल की सबसे बड़ी समस्या बताया है। उन्होंने कहा कि यहां से घुसपैठियों को बाहर निकालना बहुत जरूरी है। शाह ने आरोप लगाया कि जब मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटाए जाते हैं, तो दीदी (ममता बनर्जी) को बहुत तकलीफ होती है। उन्होंने जनता से अपील की कि 5 तारीख को भाजपा की सरकार बना दें। सरकार बनते ही पूरे बंगाल से चुन-चुन कर एक-एक घुसपैठिये को बाहर निकाल दिया जाएगा। किसानों के मुद्दे पर भी अमित शाह ने ममता सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि बंगाल में आलू उगाने वाले किसानों को उनकी फसल का सही दाम नहीं मिल रहा है। राज्य सरकार ने आलू के निर्यात पर भी रोक लगा दी है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है और सरकार पूरी तरह से उदासीन बनी हुई है। शाह ने वादा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर वह आलू किसानों का पूरा साथ देगी और उनके आलू के निर्यात में हर संभव मदद करेगी।

टीएमसी के 'गुंडों' को अमित शाह ने दी चेतावनी

चुनाव में हिंसा के डर पर अमित शाह ने कहा कि कुछ लोगों ने उन्हें बताया है कि वे वोट तो देना चाहते हैं, लेकिन गुंडों से डरते हैं। इस पर शाह ने जनता से कहा कि आप बिल्कुल मत डरिए। उन्होंने टीएमसी के गुंडों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि 29 तारीख को वे अपने घरों से बाहर न निकलें, वरना 5 तारीख के बाद सबको सीधा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीबों के अधिकारों को सिंडिकेट के हवाले करने वाला यह 'जंगल राज' 4 मई को खत्म होने जा रहा है।

पहले चरण के मतदान पर बोले अमित शाह

अमित शाह ने पहले चरण के चुनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण में बहुत शांति से मतदान हुआ है और किसी भी गुंडे की हिम्मत नहीं हुई कि वह मतदाताओं को उंगली भी लगा सके। उन्होंने बताया कि शाम साढ़े चार बजे तक 80 प्रतिशत से ज्यादा बंपर वोटिंग हो चुकी थी। भारी मतदान की तरफ इशारा करते हुए अमित शाह ने यह दावा किया है कि पहले चरण के चुनाव में ही दीदी का पूरी तरह से सूपड़ा साफ होने वाला है।

एक नजर

कुमारग्राम में भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु सरकार पर हमला

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव के पहले चरण के दौरान गुरुवार को भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु सरकार के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुमारग्राम विधानसभा सीट के कुमारगंज बूथ नंबर 12 पर भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु सरकार के साथ मारपीट की गई। आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों से पहले उनकी कहासुनी हुई और उसके बाद उन्हें पीटा गया। इस दौरान उनके बॉडीगार्ड ने उन्हें बचाने की कोशिश कि, लेकिन अचानक तृणमूल समर्थकों की भीड़ उग्र हो गई और देखते ही देखते उन्हें दौड़ाकर पीटा गया। इस घटना में सबसे अहम बात यह थी कि, उम्मीदवार के साथ यह जब घटना हो रही थी, तब ना तो मौके पर केंद्रीय बल के जवान थे और नहीं की सुरक्षा के कोई विशेष इंतजाम थे। मालूम हो कि बंगाल में पहले चरण के तहत 16 जिलों की 152 सीटों पर वोटिंग जारी हैं।

पांच साल बाद चीन के पर्यटकों को वीजा जारी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत सरकार चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है। करीब पांच साल पहले गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद इन सेवाओं को बंद कर दिया गया था। अब दोनों देशों के बीच रिश्तों में जमी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है। सरकार का यह फैसला पर्यटन, व्यापार और लोगों के बीच आपसी मेलजोल को फिर से बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों से दोनों देशों के बीच तनाव की वजह से ये गतिविधियां रुकी हुई थीं। हालांकि वीजा देने के लिए सामान्य प्रक्रियाओं का पालन होगा, लेकिन सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए कुछ पाबंदियां अब भी लागू रहेंगी। जानकारों का मानना है कि इस फैसले से दोनों देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध मजबूत होंगे। व्यापारिक समुदाय ने भी इस कदम का स्वागत किया है। फिलहाल दोनों देश अब धीरे-धीरे अपने पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर सहयोग की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

बंगाल में 16 जिलों की 152 सीटों पर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 1478 उम्मीदवार का हुआ फैसला

बंगाल में 92 फीसदी व तमिलनाडु में 85 प्रतिशत से अधिक मतदान

- तमिलनाडु में राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान, 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता ने डाले वोट

एजेंसी। कोलकाता/चेन्नई

लोकतंत्र के महापर्व में आज पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में वोट डाले गए। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान कराए गए। तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में वोट डाले गए। शाम छह बजे आधिकारिक रूप से मतदान समाप्त हो गया। कुछ जगहों पर कतार में लगे वोटर्स मतदान कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग की तरफ से आधिकारिक मतदान प्रतिशत जारी किया जाना बाकी है। साल 2026 के चुनाव में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में रिकॉर्डतोड़ वोटिंग हुई है। निर्वाचन आयोग के आधिकारिक मोबाइल एप्लिकेशन- वोटर टर्नआउट एप पर रात आठ बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक बंगाल में 92 फीसदी से अधिक, जबकि तमिलनाडु में 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया है। बंगाल और तमिलनाडु में मतदान समाप्त होने के बाद देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, आजादी के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है। पहले चरण के मतदान में पश्चिम बंगाल में 91.40 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। वहीं, वहीं तमिलनाडु में भी 84.35 प्रतिशत वोटिंग हुई है। निर्वाचन आयोग की तरफ से अंतिम और आधिकारिक आंकड़े जारी होने के बाद मतदान प्रतिशत बढ़ सकते हैं। तमिलनाडु में 2011 का रिकॉर्ड टूटा है।

सीआरपीएफ जवानों पर पथराव

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के मतदान के बीच हिंसा की बड़ी खबर सामने आई है। बीरभूम जिले के दुबराजपुर विधानसभा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया है। यहां तैनात सीआरपीएफ के जवानों पर स्थानीय लोगों ने अचानक पथराव कर दिया, जिससे इलाके में तनाव फैल गया है। यह हिंसक घटना दुबराजपुर के खैरासोल घुमर गांव में हुई है। शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए यहां सीआरपीएफ जवानों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसी दौरान अचानक कुछ लोगों ने जवानों पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में लिया गया है। पश्चिम बंगाल के मालदा में मतदान के दौरान हिंसा की घटना सामने आई है। यहां की चांचल विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रतन दास के पोलिंग एजेंट लक्ष्मण पांडेय पर टीएमसी कार्यकताओं ने कथित तौर पर हमला कर दिया है। इस दौरान उनकी गाड़ी में भी जमकर तोड़फोड़ की गई। हमले का शिकार हुए लक्ष्मण पांडेय ने बताया कि जब वह पोलिंग बूथ की तरफ जा रहे थे, तभी टीएमसी कार्यकताओं ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और हमला किया। पांडेय ने यह गंभीर आरोप भी लगाया कि टीएमसी के लोग करीब 150 से 200 मतदाताओं को वोट डालने से रोक रहे थे। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में बंपर वोटिंग हुई। पश्चिम बंगाल में शाम साढ़ें पांच बजे तक 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं, तमिलनाडु में भी लोगों ने बढ़-चढ़कर लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लिया है और यहां शाम साढ़ें पांच बजे तक 82.24 प्रतिशत मतदान हुआ है।

आतंकवाद के आगे कभी नहीं झुकेगा भारत: पीएम मोदी

- पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर कहा- आतंकियों के नापाक मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे
- पहलगाम में लश्कर आतंकियों के कायराना हमले में मारे गए थे 26 पर्यटक

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर कहा कि भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा और आतंकियों के नापाक मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे।बता दें कि पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने पिछले वर्ष जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला किया था, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष इसी दिन हुए भीषण पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि। उन्हें कभी भुलाया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हम शोक और संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकियों के नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे। जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि उस जघन्य कृत्य में निर्दोष लोगों की दुखद मौत हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। आतंक के ऐसे कृत्य शांति और एकता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रोक नहीं सकते। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को याद किया और कहा कि भारत आतंकवाद और उसे पनाह देने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की अपनी नीति को जारी रखेगा। उन्होंने संदेश में कहा कि अपने लोगों को खोने का दुख और पीड़ा आज भी हर भारतीय के दिल में कायम है। आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है, जिसके खिलाफ हमें एकजुट होकर लड़ना और उसे हराना होगा।

टिहरी गढ़वाल में गहरी खाई में गिरा वाहन, आठ लोगों की मौत

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले से हादसे की दर्दनाक खबर सामने आ रही है। गुरुवार को जिले के नैल-कोटी कॉलोनी मार्ग पर एक वाहन करीब 300 मीटर गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई है तो वहीं, 2 लोग घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार सभी लोग घनसाली क्षेत्र के थ्योलधार गांव के रहने वाले थे और हरिद्वार में एक अंतिम संस्कार के बाद वापस लौट रहे थे। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर शोक जताया है।टिहरी जिला प्रशासन के मुताबिक, ये हादसे तब हुआ जब चंबा ब्लॉक में चंबा-कोटी सड़क पर नाइल के पास एक वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 300 मीटर गहरी खाई में गिर गया। घायलों को डीएच बौरारी अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और मौके पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

बक्सर में गैस आपूर्ति सामान्य, कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त

27 एजेंसियों के माध्यम से वितरण जारी, 1199 शिकायतों में 1139 का निपटारा, शादी-श्राद्ध के लिए व्यावसायिक गैस की विशेष व्यवस्था

केटी न्यूज/बक्सर

जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि बक्सर जिले में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के अंतर्गत कुल 27 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। इनमें इंडियन ऑयल की 13, भारत पेट्रोलियम की 6 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 8 एजेंसियां शामिल हैं।

जिले में घरेलू गैस उपभोक्ताओं की संख्या भी काफी अधिक है। इंडियन ऑयल के 2 लाख 2 हजार 360, भारत पेट्रोलियम के 57 हजार 517 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 90 हजार 668 उपभोक्ता हैं। जिला प्रशासन के अनुसार 13 मार्च 2026 से 22 अप्रैल 2026 तक कुल 1 लाख 89 हजार 696 गैस सिलेंडरों का वितरण किया जा चुका है। वहीं 22 अप्रैल तक एजेंसियों के पास 3 हजार 949 सिलेंडरों का भंडार उपलब्ध था। प्रशासन ने बताया कि जिले में प्रतिदिन औसत मांग 6 हजार 419 सिलेंडर है, जबकि प्रतिदिन औसत रीफिल आपूर्ति 5 हजार 525 सिलेंडर हो रही है। वर्तमान में 25 हजार 638 बुकिंग लंबित हैं, जिसे लगभग साढ़े चार दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए शहरी उपभोक्ताओं को अंतिम सिलेंडर डिलीवरी के 25 दिन बाद तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं को 45 दिन बाद नए सिलेंडर की बुकिंग की अनुमति दी गई है। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सभी गैस एजेंसियों पर दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। जिलास्तरीय अधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी तथा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी लगातार गैस एजेंसियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच कर रहे हैं। अब तक इस मामले में दो प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। 22 अप्रैल को जिले की 6 गैस एजेंसियों और अन्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण भी किया गया। आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। गैस आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के लिए दूरभाष संख्या 06183-223333 जारी की गई है। अब तक 1199 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 1139 शिकायतों का त्वरित निपटारा कर दिया गया है। शेष मामलों पर कार्रवाई जारी है।

वैवाहिक एवं श्राद्ध कार्यक्रमों के लिए व्यावसायिक गैस की विशेष व्यवस्था की गई है। संबंधित व्यक्ति को शादी कार्ड के साथ अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय में आवेदन देना होगा। मांग और उपलब्धता के आधार पर रसोइयों व कैटररों को गैस उपलब्ध कराई जाएगी। अब तक बक्सर अनुमंडल से 273 तथा डुमरांव अनुमंडल से 259 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिलाधिकारी ने कहा है कि गैस आपूर्ति को लेकर अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी तथा सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

कोरोना के बाद बदली गांवों की तस्वीर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे युवा

लॉक डाउन के दौरान गांव लौटे प्रवासी श्रमिकों ने तलाशे है रोजगार के नये अवसर, बन रहे है नजीर

पीके बादल/केसठ

कोरोना महामारी ने जहां एक ओर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरा आघात पहुंचाया था, वहीं अब इसके प्रभाव से गांवों में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। लॉकडाउन के दौरान शहरों से लौटे प्रवासी मजदूरों और युवाओं ने निराश होने के बजाय अपने ही गांव में रोजगार के नए अवसर तलाशे हैं। परिणामस्वरूप, प्रखंड के कई गांवों में अब स्वरोजगार और छोटे उद्योगों की एक नई लहर दिखाई दे रही है।

पहले जहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए लोगों को बाजार का रुख करना पड़ता था, वहीं अब गांवों में ही जनरल स्टोर, रेडीमेड कपड़ों की दुकानें, मोबाइल रिपेयरिंग, इलॉट्रानिक रिपेयरिंग सेंटर और अन्य व्यवसाय तेजी से खुल रहे हैं। कई युवाओं ने मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और मशरूम उत्पादन जैसे क्षेत्रों में कदम रखकर न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं। हालांकि, यह बदलाव चुनौतियों से अछूता नहीं है। स्वरोजगार शुरू करने के लिए पूंजी की कमी आज भी बड़ी बाधा बनी हुई है। कई युवाओं को बैंक से ऋण लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, सीमित स्थानीय बाजार और बड़े शहरों से आने वाले सस्ते उत्पादों के कारण प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है। कुछ मामलों में कम बिक्री और बढ़ती उधारी के कारण युवा फिर से बाहर रोजगार की तलाश में जाने को मजबूर हो रहे हैं। केसठ गांव के युवा रमेश कुमार, जिन्होंने लॉकडाउन के बाद किराना दुकान शुरू की, बताते हैं कि शहर में काम छूटने के बाद उन्होंने गांव में ही नई शुरूआत की। हालांकि आय कम है, लेकिन परिवार के साथ रहने का संतोष अधिक है। वहीं, नीतू कुमारी जैसी महिला उद्यमी गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं। उन्होंने सिलाई केंद्र खोलकर कई महिलाओं को रोजगार से जोड़ा है। रमेश और नीतू जैसे कई अन्य युवा भी है जो पैनिक काल में गांव लौटे और स्वरोजगार की सीढ़ी चढ़ दूसरों के लिए नजीर बन गए है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी मानना है कि यदि सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर इन छोटे उद्यमियों तक पहुंचे, तो गांवों से पलायन को काफी हद तक रोका जा सकता है। पंचायत स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं कि अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव भविष्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। गांवों में ही रोजगार के अवसर बढ़ने से स्थानीय बाजार सशक्त होंगे और डिजिटल भुगतान व ऑनलाइन मार्केटिंग के जरिए ग्रामीण युवा तकनीकी रूप से भी आगे बढ़ेंगे।कोरोना संकट ने भले ही गांवों को कठिन दौर से गुजरने पर मजबूर किया, लेकिन इसी संकट ने आत्मनिर्भरता की नई राह भी दिखाई है। आज गांवों में उभर रहे छोटे-छोटे व्यवसाय आने वाले समय में बड़े उद्योगों का रूप ले सकते हैं, बशर्ते उन्हें उचित मार्गदर्शन और सरकारी सहयोग मिलता रहे। इसके साथ ही गांवों में जीविका समूहों से जुड़कर महिलाएं भी तेजी से आत्मनिर्भर बन रही हैं। एक परिवार की महिला यदि जीविका समूह से जुड़ी होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे घर पर दिखाई देता है। महिलाएं समूह के माध्यम से बचत, ऋण और छोटे-छोटे व्यवसाय जैसे सिलाई, पशुपालन, किराना या खाद्य प्रसंस्करण शुरू कर रही हैं। खास बात यह है कि अब कई परिवारों में पति-पत्नी दोनों मिलकर रोजगार कर रहे हैं, जिससे आय के स्रोत बढ़े हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। पहले जहां महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, वहीं अब वे परिवार की आय में बराबर की भागीदार बनकर आत्मसम्मान और सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश कर रही हैं।

एक नजर

चौसा बिजली परियोजना में सूखी घास में लगी आग, सतर्कता से टला बड़ा नुकसान

चौसा। बक्सर जिले के चौसा स्थित बिजली उत्पादन परियोजना परिसर में गुरुवार दोपहर अचानक आग लगने की घटना सामने आई, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि प्लांट प्रशासन और दमकल टीम की तत्परता के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार परियोजना परिसर के मध्य भाग में मौजूद सूखी घास-फूस और झाड़ियों में तेज गर्मी तथा तपिश के कारण अचानक आग भड़क उठी। आग की लपटें उठते ही वहां कार्यरत कर्मियों और अधिकारियों में हलचल मच गई। मामले की सूचना तत्काल प्लांट की अग्निशमन इकाई को दी गई, जिसके बाद दमकल कर्मी उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे और तेजी से राहत कार्य शुरू किया। दमकल टीम ने कुछ ही देर में आग को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया। राहत की बात यह रही कि आग आसपास के संवेदनशील हिस्सों या निमार्णाधीन इकाइयों तक नहीं पहुंच सकी। घटना में किसी कर्मचारी के घायल होने या प्लांट संपत्ति को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि परियोजना की दूसरी यूनिट को शुरू करने की दिशा में इन दिनों निर्माण और तकनीकी कार्य तेजी से चल रहा है। ऐसे में परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। घटना के बाद प्लांट प्रबंधन ने एहतियातन पूरे परिसर में निगरानी बढ़ा दी है तथा ज्वलनशील सामग्री और सूखी झाड़ियों की साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया है। अधिकारियों का कहना है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए अग्नि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

दो महीने से बंद आधार केंद्र, जरूरी कामकाज ठप होने से चक्की के लोग परेशान

चक्की। चक्की प्रखंड क्षेत्र में आधार सेवा केंद्र पिछले करीब दो महीनों से बंद पड़ा है, जिससे आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। आधार कार्ड बनवाने, मोबाइल नंबर अपडेट कराने, पता सुधारने और अन्य जरूरी संशोधन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग प्रखंड मुख्यालय पहुंच रहे हैं, लेकिन केंद्र बंद रहने के कारण उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ रहा है।

आधार सेवा ठप रहने का सीधा असर लोगों के जरूरी कामकाज पर पड़ रहा है। बैंक खाता खुलवाने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, पेंशन योजना, छात्रवृत्ति और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार की अनिवार्यता होने से कई कार्य लंबित हो गए हैं। ग्रामीण रामबाबू यादव ने बताया कि कई दिनों से आधार अपडेट कराने आ रहे हैं, लेकिन हर बार केंद्र बंद मिलता है। वहीं सीमा देवी ने कहा कि परिवार के जरूरी दस्तावेज आधार से जुड़े होने के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

सबसे ज्यादा दिक्कत छात्रों और बुजुर्गों को हो रही है। छात्रों को छात्रवृत्ति, नामांकन और परीक्षा फॉर्म भरने में आधार की जरूरत पड़ रही है, जबकि बुजुर्गों को पेंशन एवं अन्य योजनाओं के लिए आधार अपडेट कराना आवश्यक है। दूर-दराज गांवों से आने वाले लोगों को किराया खर्च कर लौटना पड़ रहा है।

प्रखंड कार्यालय से जुड़े कर्मियों ने बताया कि तकनीकी समस्या और ऑपरेटरों की कमी के कारण सेवा प्रभावित है। हालांकि, जल्द व्यवस्था बहाल करने की कोशिश की जा रही है। इधर, स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि आधार केंद्र को शीघ्र चालू कराया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

डंठल जलाने की लापरवाही बनी आफत, कई गांवों में आग का कहर

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड क्षेत्र में गेहूं कटनी के बाद खेतों में डंठल जलाने की लापरवाही बुधवार को कई परिवारों पर भारी पड़ गई। तेज पछुआ हवा के कारण खेत में लगाई गई आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते कई गांवों तक फैल गई। इस अग्निकांड में घर, अनाज, पशुचारा और जरूरी सामान जलकर राख हो गए, जबकि ग्रामीणों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार मंगरॉव पंचायत के घरारी गांव में दोपहर के समय अधिकांश लोग अपने घरों में आराम कर रहे थे। इसी दौरान नागपुर बधार की ओर किसी किसान द्वारा गेहूं के डंठल में लगाई गई आग तेज हवा के साथ फैलते हुए गांव तक पहुंच गई। आग की लपटों ने सबसे पहले मुन्नी देवी के घर को अपनी चपेट में लिया। अचानक उठती लपटों और धुएं से गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घर में फंसे लोगों को बाहर निकाला। खूंटे से बंधे मवेशियों को खोलकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। आसपास लगे समरसेबल और पानी के अन्य साधनों से आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन तेज हवा के चलते आग पर काबू पाना आसान नहीं था। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। इस घटना में मुन्नी देवी के घर में रखे कपड़े, अनाज और महत्वपूर्ण कागजात जलकर नष्ट हो गए। वहीं जितेंद्र और मुन्ना खरवार के खलिहान में रखा पशुचारा पूरी तरह जल गया। गुड्डू पाल के खलिहान में रखे गेहूं के बोझ भी आग की भेंट चढ़ गए। आग की लपटें केवल घरारी गांव तक सीमित नहीं रहीं। अकबरपुर पंचायत के कुसही, हेठुआ और कटारिया गांव के बधार में भी आग फैलने से किसानों को भारी नुकसान हुआ। पूरे दिन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां एक गांव से दूसरे गांव दौड़ती रहीं। राजपुर थानाध्यक्ष निवास कुमार ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि बढ़ते तापमान और तेज पछुआ हवा के बीच खेतों में डंठल जलाना बेहद

बिजली जांच दल पर ग्रामीणों का हमला अवैध कनेक्शन पकड़ने गई टीम से मारपीट

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

स्थानीय थाना क्षेत्र के अरक गांव में बिजली चोरी की जांच करने पहुंची विद्युत विभाग की टीम पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। छापेमारी के दौरान ग्रामीणों द्वारा विरोध करते हुए मारपीट किए जाने से विभाग के कनीय अभियंता (जेई) समेत कई कर्मी घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 16 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के अनुसार, विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चक्की की टीम बुधवार को गांव में बिजली चोरी की शिकायत मिलने पर जांच के लिए पहुंची थी। विभागीय अधिकारियों के नेतृत्व में टीम विभिन्न घरों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मकान में मीटर को बाईपास कर सीधे बिजली उपयोग किए जाने का मामला सामने आया। विभागीय कर्मियों ने जब अवैध कनेक्शन हटाने और कार्रवाई शुरू करने की कोशिश की, तभी संबंधित परिवार के लोग आक्रोशित हो गए।

बताया जाता है कि देखते ही देखते वहां कई लोग जुट गए और टीम के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध बढ़ने पर कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और विभागीय कर्मियों को जान बचाकर पीछे हटना पड़ा। इस दौरान कनीय अभियंता मनीष कुमार समेत कई कर्मचारी घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही कृष्णाब्रह्म थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायल कर्मियों को तत्काल उपचार के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस सुरक्षा में टीम को सुरक्षित थाना लाया गया।इस मामले में कनीय अभियंता मनीष कुमार के बयान पर कृष्णाब्रह्म थाना में जीतू ठाकुर, बिटू ठाकुर सहित कुल 16 नामजद लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने त्वरित छापेमारी कर जीतू ठाकुर और बिटू ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। वहीं विद्युत विभाग ने साफ किया है कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अरियांव हत्याकांड में पुलिस का बड़ा एक्शन : पिता गिरफ्तार, मुख्य आरोपी की तलाश तेज

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरियांव गांव में दिनदहाड़े किशोरी की गोली मारकर हत्या किए जाने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने तेजी दिखाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की मां के बयान पर पिता-पुत्र समेत तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। घटना बुधवार दोपहर की है, जब गांव में अचानक गोलियों की आवाज से दहशत फैल

- **किशोरी की हत्या मामले में पिता-पुत्र समेत तीन नामजद, आरोपी के घर से कारतूस बरामद**

गई। बताया जा रहा है कि आरोपित पिता-पुत्र घर पहुंचे और दरवाजा खटखटाने लगे। जैसे ही किशोरी ने दरवाजा खोला, एक युवक ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगते ही किशोरी मौके पर गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और आरोपी फरार हो गए।

मृतका की मां रीमा देवी ने थाना में दर्ज कराए गए बयान में कहा है कि आरोपी पहले भी उनके घर आकर धमकी दे चुके थे। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के दिन भी दरवाजा खुलते ही युवती को निशाना बनाकर गोली मारी गई। जब परिवार के अन्य सदस्य शोर सुनकर बाहर पहुंचे तो देखा कि आरोपी हाथ में पिस्टल लिए भाग रहे थे।

पुलिस ने मामले में प्रवीण उपाध्याय उर्फ धनु उपाध्याय, प्रकाश उपाध्याय उर्फ सोनू उपाध्याय और उनके पिता परमहंश उपाध्याय को नामजद किया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए परमहंश उपाध्याय को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायालय भेज दिया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपितों के घर पर छापेमारी की, जहां से आठ जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। वहीं घटनास्थल से मिले खोखे और बरामद कारतूस के बीच समानता मिलने की बात सामने आई है। पुलिस का मानना है कि यह बरामदगी हत्याकांड के खुलासे में अहम कड़ी साबित हो सकती है।

एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने बताया कि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस टीम हर एंगल से मामले की जांच कर रही है और जल्द ही फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे इलाके में दहशत है। ग्रामीणों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस का दावा है कि हत्याकांड में शामिल कोई भी आरोपी बच नहीं पाएगा।

गल्ला व्यवसायी छिनतई कांड : जेल भेजे गए गिरफ्तार अपराधी, पुलिस की त्वरित कार्रवाई में रूपए व चेक बरामद

- **प्रेस वार्ता में बोले एसडीपीओ वैशाली के कुख्यात तिवारी गिरोह से जुडे.है अपराधियों के तार, फरार अपराधियो को शीघ्र किया जाएगा गिरफ्तार, अपराधिक इतिहास को खंगाल रही है पुलिस**

केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार की दोपहर छठिया पोखरा के समीप नंदन गांव निवासी व गल्ला व्यवसायी मनू कुमार गोंड से हुई एक लाख रूपए नगद, दो भरे हुए चेक तथा अन्य सामानों की छिनतई मामले में गिरफ्तार अपराधियों को जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान छपरा जिले के रसुलपुर थाना क्षेत्र के रसुलपुर चट्टी निवासी सागर तिवारी पिता प्रमोद तिवारी तथा कोपा थाना क्षेत्र के स्थानीय कोपा गांव निवासी सागर मिश्र पिता वासुदेव मिश्र के रूप में की गई है। एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने गुरूवार को डुमरांव थाने में प्रेस वार्ता आयोजित कर इस मामले की जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि मनू गोंड से छिनतई तथा दो अपराधियों के आम लोगों के सहयोग से पकड़े जाने की जानकारी मिलते ही पूरे मामले के उद्भेदन, छिने गए रूपए तथा चेक की बरामदगी तथा घटना को अंजाम दे फरार हुए अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए तत्काल मेरे नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया।

एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई में घटना को अंजाम दे भाग रहे दो अपराधियों की घेराबंदी की थी, जिससे घबड़ाए अपराधियों ने पुराना भोजपुर फ्लाई ओवर के पास मनू गोंड से छिना गया रूपए, चेक तथा अन्य दस्तावेजों से भरा झोला फेक दिया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। एसडीपीओ ने बताया कि बरामद झोले से 99,500 रूपए नगद, दो भरे हुए चेक तथा अन्य दस्तावेज बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अपराधियों का अपराधिक रिकार्ड मिला है। वहीं, इनके अपराधिक इतिहास को खंगालने के लिए स्थानीय पुलिस से सहयोग लिया जा रहा है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों के तार वैशाली के कुख्यात तिवारी गिरोह से जुड़ा है। ये विभिन्न जगहों पर जाकर लूट, छिनतई तथा झपट्टामारी जैसे अपराधिक घटनाओं को अंजाम देते है। एसडीपीओ ने बताया कि पूरे गिरोह की शिनाख्त कर ली गई है। फरार अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम लगतार उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एसडीपीओ ने अपराधियों को पकड़ने में आम लोगों के सहयोग की सराहना की है। एसआईटी में एसडीपीओ पोलस्त के अलावे डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, एसआई मतेन्द्र कुमार, गौतम कुमार व अर्चना कुमारी के अलावे सशस्त्र बल शामिल थे।

बैंक के रूपया निकाल घर लौट रहे गल्ला व्यवसायी को गिरोह ने किया था टारगेट

बता दें कि डुमरांव थाना क्षेत्र के नंदन गांव निवासी व गल्ला व्यसायी मनू कुमार गोंड अपने कारोबार के सिलसिले में बुधवार को डुमरांव के राजगढ़ स्थित पीएनबी बैंक से एक लाख रूपए नगर निकाला था। वह पैसे को एक झोले में रख मोपेड बाइक से अपने गांव नंदन जा रहा था। झोले में नगद रूपए के अलावे दो भरे हुए चेक, कुछ खाली चेक तथा अन्य दस्तावेज भी थे। जैसे ही वह छठिया पोखरा के समीप पहुंचा कि तिवारी गिरोह के उचक्के बाइक से उसका पीछा करते हुए पहुंच गए तथा ओवरटेक कर उसे रूकवा झोला छिन लिए। इस दौरान कुल चार अपराधियों में तीन पैदल थे, जबकि चौथा एक बाइक को स्टार्ट कर उस पर बैठा था। एक अपराधी ने उसके मोपेड बाइक मं टंगे झोले को निकाल दूसरे को दिया, दूसरा झोला लेकर तेजी से चलती बाइक पर बैठ फरार हो गया। इधर मनू तुरंत उनकी हरकतों का विरोध किया तथा हैंडल से झोला निकालने वाले अपराधी से उलझ गया। इस दौरान उनका चौथा साथी उसे छुड़ाने का प्रयास किया। इस दौरान माजरा समझ स्थानीय लोगों ने दौड़कर दोनों को पकड़ लिया तथा घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई में छिने गए रूपए व चेक भी बरामद हो गए।

एक नजर

भीषण गर्मी पर सख्त प्रशासन, दोपहर 12 बजे बाद स्कूल संचालन पर रोक

बक्सर। जिले में लगातार बढ़ती भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी सरकारी व निजी विद्यालयों पर सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिला दण्डाधिकारी साहिला के ज्ञापांक 220/न्या० दिनांक 20 अप्रैल 2026 के तहत बक्सर जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों, प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों और कोचिंग संस्थानों में दोपहर 12 बजे के बाद 8वीं कक्षा तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर पहले ही रोक लगाई जा चुकी है।इसके बावजूद कुछ विद्यालयों के दोपहर बाद तक संचालित होने की सूचना मिलने पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि आदेश का अक्षरशः पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा कार्रवाई तय मानी जाए। जारी निर्देशों के अनुसार जिले के सभी विद्यालयों को दोपहर 12 बजे से पहले सभी कक्षाएं समाप्त कर बच्चों को सुरक्षित घर रवाना करना होगा। जिन विद्यालयों में दो शिफ्ट में पढ़ाई होती है, वहां दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक किसी भी प्रकार की कक्षा संचालित नहीं होगी। सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन भी 12 बजे पूर्व तक पूरा कराने का आदेश दिया गया है। बच्चों को लू और निर्जलीकरण से बचाने के लिए विद्यालय प्रबंधन को विशेष इंतजाम करने को कहा गया है। हर कक्षा शुरू होने से पहले 1 से 2 मिनट का वॉटर ब्रेक देना अनिवार्य किया गया है। जरूरत पड़ने पर कक्षा के दौरान भी बच्चों को पानी पीने की अनुमति होगी। विद्यालय से घर भेजने से पहले सभी बच्चों को पानी पिलाना भी जरूरी किया गया है। साथ ही सभी स्कूलों को ओआरएस पाउडर का पर्याप्त भंडारण रखने, बच्चों को धूप और गर्म हवा से बचाकर बैठाने तथा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। निजी स्कूलों के वाहनों में पेयजल और ओआरएस रखने तथा 12 बजे पूर्व बच्चों को घर के लिए रवाना करने को कहा गया है। प्रशासन ने यह भी साफ किया है कि सुबह की प्रार्थना सभा खुले मैदान या धूप में नहीं होगी, बल्कि विद्यालय परिसर के कॉरिडोर में कराई जाएगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बायोमेट्रिक ठगी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, ग्रामीणों के खातों से उड़ाता था रकम

राजपुर। राजपुर प्रखंड के कटरिया गांव से पुलिस ने एक ऐसे साइबर ठग को गिरफ्तार किया है, जो भोले-भाले ग्रामीणों को झांसे में लेकर उनके बैंक खातों से पैसे निकाल लेता था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनुजी पाल, पिता विंध्याचल पाल, निवासी कटरिया गांव के रूप में हुई है। पुलिस की मानें तो आरोपी लंबे समय से इलाके में सक्रिय था और लोगों से अलग-अलग बहाने बनाकर उनका अंगूठा लगवाता था। इसके बाद बायोमेट्रिक माध्यम से खातों से रकम गायब कर देता था। मामले का खुलासा तब हुआ जब ग्राम हुड़रही की रहने वाली गायत्री देवी ने अपने खाते से पैसे कटने की शिकायत राजपुर थाने में दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि उनसे बैंकिंग कार्य कराने के नाम पर अंगूठा लगवाया गया था, जिसके बाद खाते से राशि निकाल ली गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने 03 दिसंबर 2025 को प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग लेन-देन और संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण किया। कई दिनों की पड़ताल के बाद पुलिस ने आरोपी की पहचान सुनिश्चित की और छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी मिल सके।

थानाध्यक्ष निवास कुमार ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना बायोमेट्रिक विवरण, अंगूठा या बैंक से जुड़ी जानकारी न दें। यदि खाते से अनधिकृत लेन-देन होता है तो तुरंत बैंक और नजदीकी थाना को सूचना दें।

चौसा में स्वच्छता के नाम पर खिलवाड़ नदी किनारे बन रहा कचरे का पहाड़

- **नगर पंचायत पर गंभीर सवाल प्रतिबंध के बावजूद तट पर डंपिंग जारी, ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ा**

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत में स्वच्छता अभियान की हकीकत नदी तट पर साफ नजर आ रही है। सरकार जहां शहरों और कस्बों को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चला रही है, वहीं चौसा में नगर पंचायत की कार्यशैली इन दावों की पोल खोल रही है। नगर क्षेत्र से निकलने वाला कचरा खुलेआम सड़क किनारे और सीधे नदी तट पर फेंका जा रहा है। इससे न सिर्फ गंदगी फैल रही है, बल्कि पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। नदी किनारे कचरे के बड़े-बड़े ढेर अब आम दृश्य बन चुके हैं। सड़ते हुए कचरे से उठने वाली तेज दुर्गंध से आसपास के

ग्रामीणों का जीना मुश्किल हो गया है। प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट सामग्री हवा के साथ खेतों, गांवों और बस्तियों तक पहुंच रही है। इससे खेती-किसानी पर भी असर पड़ने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस नदी तट को स्वच्छ और सुरक्षित रखा जाना चाहिए, उसे ही कचरा घर बना दिया गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नदी किनारे कचरा फेंकना पूरी तरह प्रतिबंधित है, इसके बावजूद नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रहे हैं। जिन पर सफाई व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी है, वही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में लगे हैं। इससे नदी का जल प्रदूषित हो रहा है, जो भविष्य में बड़ी समस्या बन सकता है। किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। उनका कहना है कि कचरे से निकलने वाला गंदा पानी और प्लास्टिक उपजाऊ जमीन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी, तो खेती और जल स्त्रोत दोनों प्रभावित होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि करीब दो माह पहले नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी ने नदी तट पर कचरा फेंकने पर रोक लगाने का आश्वासन दिया था। उस समय उम्मीद जगी थी कि समस्या का समाधान होगा, लेकिन आज तक हालात में कोई बदलाव नहीं आया। तट पर कचरा फेंकने का सिलसिला पहले की तरह जारी है। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब आश्वासन के बाद भी व्यवस्था नहीं सुधरी, तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी? चौसा के लोग अब केवल वादे नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहते हैं, ताकि नदी, पर्यावरण और आमजन का जीवन सुरक्षित रह सके।

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय में वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव, युवाओं को दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

- **प्रधानाचार्य बोले स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों से ही मजबूत होगा राष्ट्र का भविष्य**

केटी न्यूज/बक्सर

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर में गुरुवार को 1857 की क्रांति के महानायक और स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव समारोह श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रभक्ति, साहस और संघर्ष की प्रेरणा दी गई। समारोह का नेतृत्व महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) कृष्णा कान्त सिंह ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय परिसर स्थित महर्षि विश्वामित्र महामुनि की प्रतिमा पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद महाविद्यालय

परिवार के सभी सदस्यों ने एकत्र होकर बाबू वीर कुंवर सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके योगदान को नमन किया।

इस दौरान पूरे परिसर में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। शिक्षकों और कर्मचारियों ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि वीर कुंवर सिंह जैसे महापुरुषों के त्याग और बलिदान के कारण ही देश आज स्वतंत्र है। अपने संबोधन में प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) कृष्णा कान्त सिंह ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह ने कठिन परिस्थितियों में भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष कर इतिहास रचा। उन्होंने बुजुर्ग अवस्था में भी जिस साहस और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया, वह आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसे महानायकों के जीवन से सीख लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करना भी है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और सामाजिक चेतना का विकास होता है।

समारोह के अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। मौके पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

09 मई को बक्सर में लगेगी द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत, तीन हजार मामलों के निपटारे का लक्ष्य

- **विधिक सेवा सदन व व्यवहार न्यायालय परिसर में वर्चुअल और फिजिकल दोनों माध्यम से होगा आयोजन, अधिवक्ताओं संग तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न**

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पटना के निदेर्शानुसार आगामी 09 मई को बक्सर में वर्ष 2026 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत विधिक सेवा सदन एवं व्यवहार न्यायालय परिसर में वर्चुअल तथा फिजिकल दोनों माध्यमों से आयोजित होगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए गुरुवार को व्यवहार न्यायालय परिसर

में तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-सह-विशेष उत्पाद न्यायालय संख्या-02 के न्यायाधीश सोने लाल रजक ने की।

बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर की सचिव सह अवर न्यायाधीश नेहा दयाल ने न्यायालय में कार्यरत विभिन्न विभागों के अधिवक्ताओं के साथ राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस बार लगभग तीन हजार मामलों के निष्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसे लेकर सभी संबंधित विभागों एवं अधिवक्ताओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

बैठक का मुख्य उद्देश्य बैंक ऋण, बिजली विभाग, माप-तौल विभाग, आपराधिक मामलों सहित विभिन्न सुलहनीय वादों का अधिकाधिक निष्पादन सुनिश्चित करना रहा। नेहा दयाल ने अधिवक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे लंबित ऋण वादों तथा अन्य समझौतायोग्य मामलों के पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से विवाद समाधान के लिए प्रेरित करें, ताकि लोगों का समय और धन दोनों बच सके।

उन्होंने बताया कि न्यायालय द्वारा चिन्हित सुलहनीय मामलों की सूची तैयार कर ली गई है। अब संबंधित पक्षकारों को सूचना देकर न्यायालय में उपस्थित होने और आपसी सहमति से मामले समाप्त कराने की प्रक्रिया तेज की जा रही है। उन्होंने अधिवक्ताओं से कहा कि वे अपने-अपने वादकारियों को लोक अदालत में उपस्थित होने के लिए प्रेरित करें, जिससे अधिक से अधिक मामलों का निपटारा संभव हो सके।

नेहा दयाल ने लोक अदालत की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यहां बिना किसी अदालती शुल्क के, सरल प्रक्रिया के तहत और आपसी सहमति से मुकदमों का अंतिम निपटारा किया जाता है। लोक अदालत के फैसले को विधिक मान्यता प्राप्त होती है और यह अंतिम माना जाता है। इसके विरुद्ध सामान्यतः अपील का प्रावधान नहीं होता है। उन्होंने विशेष रूप से बैंकों में लंबित सर्टिफिकेट केस, ऋण वसूली मामले तथा बिजली विभाग से जुड़े विवादों के पक्षकारों से अपील की कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और वर्षों पुराने विवादों का स्थायी समाधान कराएं।

बैठक में जिला बार संघ, व्यवहार न्यायालय बक्सर के सचिव बिदेस्वरी प्रसाद पांडेय सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। अधिकारियों ने भरोसा जताया कि सभी के सहयोग से इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत में रिकॉर्ड संख्या में मामलों का निष्पादन होगा।

बरसात पूर्व सफाखाना रोड से ट्रेनिंग स्कूल तक सेंट्रल नाला की होगी सफाई

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर क्षेत्र में बरसात से पहले जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए नाली, गली तथा सेंट्रल नाला की व्यापक सफाई कराई जाएगी। कार्यवाहक वार्ड चेयरमैन विकास कुमार ने बताया कि सफाखाना रोड से टीचर्स ट्रेनिंग स्कूल स्थित हदहदवा पुल तक जाने वाला सेंट्रल नाला कचरे और गाद से पूरी तरह भर गया है, जिससे पानी का बहाव बाधित हो गया है। इसके कारण हल्की बारिश में भी आसपास के इलाकों में जलनिकासी की समस्या उत्पन्न होने लगती है। उन्होंने कहा कि सफाखाना रोड से लेकर ट्रेनिंग स्कूल के समीप एनएच-120 पार करने वाले हदहदवा पुल तक नाला की विशेष सफाई कराई जाएगी। सफाई कार्य के दौरान नाला में जमा कचरा, प्लास्टिक, गाद एवं झाड़ियों को हटाया जाएगा, ताकि बरसात के मौसम में पानी का निकास सुचारु रूप से हो सके। कार्यवाहक वार्ड चेयरमैन ने बताया कि नगर क्षेत्र के अन्य वार्डों में भी नालियों और गलियों की सफाई अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए सफाई कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते सफाई कार्य पूरा कर लिया जाएगा, ताकि बारिश के दौरान लोगों को जलजमाव, गंदगी और मच्छरों की समस्या से राहत मिल सके। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि नालियों में कचरा नहीं फेंकें तथा सफाई व्यवस्था बनाए रखने में नगर प्रशासन का सहयोग करें। स्थानीय लोगों ने सेंट्रल नाला की सफाई कराने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे बरसात में जलनिकासी की पुरानी समस्या काफी हद तक दूर होगी।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में बाबू कुंवर सिंह की धूमधाम से मनी विजयोत्सव

आरा (भोजपुर) वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में वीरता,साहित्य और सांस्कृतिक परंपरा को समर्पित एक भव्य कार्यक्रम के तहत बाबू कुमार सिंह का विजय उत्सव मनाया गया। इसअवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत दीप्रज्वलन एवं प्रतिमा पर माल्यार्प के साथ हुआ अपने संबोधन में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शैलेंद्र कुमार चतुवेर्दी ने कहा कि यूवीर कुंवर सिंह जाति के नेता नहीं सब समाज के नेता थे और वह कोई राजा नहीं जमींदार थे। जो वीरता,साहित्य और सांस्कृतिक परंपरा को समर्पित एक भव्य

कार्यक्रम के तहत बाबू कुमार सिंह का विजय उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में काव्य पाठ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही सभी महाविद्यालय के प्राचार्य बड़ी संख्या में शिक्षक, साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। काव्य पाठ की शुरूआत सरस्वती वंदना के साथ हुआ विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं अतिथियों ने बाबू कुमार सिंह के साहस, नेतृत्व क्षमता और ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे महापुरुषों की वीरता और संघर्ष नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। उन्होंने युवाओं से अपने इतिहास और संस्कृति से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अध्यक्षता और पूर्व पर प्रचार जब गुरु डॉक्टर गुरु चरण सिंह ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन शंकर कैमुरी ने किया। विजय उत्सव के अंतर्गत आयोजित काव्य पाठ कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। आमंत्रित कवियों सरोज कुमार,पंकज, पूनम श्रीवास्तव, डॉक्टर सुरेंद्र सिंह, पंकज प्रखर ने देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, संस्कृति और मानवीय मूल्यों पर आधारित कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम में डॉ रणविजय सिंह ने कहा साहित्य समाज का दर्पण होता है और काव्य के माध्यम से विचारों की अभिव्यक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करती है। इस तरह के आयोजनों से रचनात्मक प्रतिभा को मंच मिलता है तथा उनमें सांस्कृतिक चेतना का विकास होता है। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही। ऐसे महापुरुषों की वीरता और संघर्ष नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। उन्होंने युवाओं से अपने इतिहास और संस्कृति से जुड़ने का आह्वान किया। विजय उत्सव के अंतर्गत आयोजित काव्य पाठ कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों एवं आमंत्रित कवियों ने देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता, शिक्षा,संस्कृति और मानवीय मूल्यों पर आधारित कविताओं का पाठ किया। कविताओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा तथा राष्ट्रीय चेतना का संदेश दिया गया,जिसे उपस्थित श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और काव्य के माध्यम से विचारों की अभिव्यक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करती है।

इंडो-नेपाल सीमा पर बढ़ी सतर्कता, वीरपुर पहुंचे मुख्य सचिव और डीजीपी, सुरक्षा तैयारियों का किया निरीक्षण

एजेंसी। पटना

सुपौल जिले के वीरपुर में गुरुवार को राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और पुलिस महानिदेशक विनय कुमार का महत्वपूर्ण दौरा हुआ। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने इंडो-नेपाल सीमा की सुरक्षा व्यवस्था, संभावित बाढ़ की तैयारियों और विकास योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। इस दौरान प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए गए।मुख्य सचिव और डीजीपी हवाई मार्ग से वीरपुर पहुंचे, जहां जिला प्रशासन और पुलिस बल द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बिहार और नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद यह उनका पहला सुपौल दौरा माना जा रहा है, जिसे सुरक्षा और प्रशासनिक दृष्टि से काफी अहम समझा जा रहा है। दौरे

के दौरान दोनों अधिकारियों ने वीरपुर स्थित फिजिकल मॉडलिंग सेंटर का निरीक्षण किया और वहां आयोजित बैठक में प्रशासनिक, पुलिस तथा एसएसबी के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में सीमा क्षेत्र में तस्करी, मानव तस्करी, अतिक्रमण और अन्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी विकास कार्य तय समयसीमा में पूरे किए जाएं, ताकि आम लोगों को उनका लाभ जल्द मिल सके।कोसी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए बैठक में बाढ़ और आपदा प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ को ध्यान में रखते हुए सभी जरूरी संसाधन और तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। पुलिस महानिदेशक ने सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया नेटवर्क को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। वहीं, मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं को तेजी से लागू करने की बात कही। मुख्य सचिव और डीजीपी के दौरे को लेकर वीरपुर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। हवाई अड्डे से लेकर निरीक्षण स्थल तक पुलिस और एसएसबी के जवानों की तैनाती रही। पूरे क्षेत्र में प्रशासनिक सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। अधिकारियों का मानना है कि इस दौरे से सीमावर्ती इलाके में सुरक्षा और विकास दोनों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

बाढ़ और आपदा प्रबंधन को लेकर अलर्ट

कोसी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए बैठक में बाढ़ और आपदा प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ को ध्यान में रखते हुए सभी जरूरी संसाधन और तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके।

सुरक्षा व्यवस्था को सख्त करने के निर्देश

पुलिस महानिदेशक ने सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया नेटवर्क को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। वहीं, मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं को तेजी से लागू करने की बात कही।

उदासीन संगत के विवाद में महंत दयानंद मुनि ने निष्पक्ष जांच का किया मांग

केटी न्यूज/नवादा

थाना क्षेत्र अंतर्गत उदासीन संगत अमावां से जुड़े विवाद एवं आरोप-प्रत्यारोप के बीच महंत डॉ. स्वामी दयानंद मुनि ने विस्तृत स्पष्टीकरण जारी करते हुए अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को पूर्णत निराधार, असत्य एवं षड्यंत्रपूर्ण बताया है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। महंत दयानंद मुनि ने बताया कि उन्हें दिनांक 19 मार्च 2026 को जिला प्रशासन की निगरानी में अनुमंडल पदाधिकारी, रजौली के आदेशानुसार विधिवत रूप से संगत का प्रभार सौंपा गया। उन्होंने कहा कि प्रभार ग्रहण के समय संगत की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। जिसमें अव्यवस्था,अतिक्रमण एवं संपत्तियों के दुरुपयोग की स्थिति स्पष्ट रूप से देखी गई। प्रेस वक्तव्य में यह भी आरोप लगाया गया है कि पूर्व से जुड़े कुछ व्यक्तियों, विशेषकर शक्ति मुनि एवं उनके सहयोगियों द्वारा संगत की संपत्तियों पर अवैध कब्जा, फर्जी

समितियों का गठन, तथा प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना की जा रही है। साथ ही, संगत परिसर में उत्पात, धमकी एवं सामाजिक शांति भंग करने जैसी घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है। महंत दयानंद मुनि ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके विरुद्ध अब तक किसी भी सक्षम न्यायालय में कोई आरोप सिद्ध नहीं हुआ है और न ही किसी प्रकार की प्राथमिकी दर्ज है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ प्रस्तुत कुछ शिकायतें एक ही व्यक्ति द्वारा अलग-अलग हस्तलिपि एवं एक ही मोबाइल नंबर के माध्यम से दी गई प्रतीत होती हैं, जो एक सुनियोजित षड्यंत्र की ओर संकेत करता है। इस बीच, उदासीन संगत अमावां के ग्रामवासियों ने भी सामूहिक रूप से कर्मनिष्ठ महंत दयानंद मुनि के समर्थन में आवेदन प्रस्तुत किया है। ग्रामीण ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रबंधन के दौरान संगत की संपत्तियों का दुरुपयोग एवं वित्तीय अनियमितताएं हुईं, जिससे संगत की स्थिति खराब हो गई थी। वर्तमान में महंत दयानंद मुनि के प्रयासों से स्थिति में सुधार देखने को मिल रहा है। साथ ही आरोपों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।संगत की संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई हो स्थानीय प्रशासन को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए जाएं। महंत दयानंद मुनि ने प्रशासन एवं बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद से आग्रह किया है कि तथ्यों के आधार पर न्याय सुनिश्चित किया जाए तथा संगत की धार्मिक मयार्दा एवं संपत्तियों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

महाविद्यालय में विजयोत्सव के रूप में वीर कुंवर सिंह की धूमधाम से मनी जयंती

केटी न्यूज/रोहतास

देश के महान स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की गुरुवार को 249वीं जयंती शहर के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर में धूमधाम मनी। अवसर पर महाविद्यालय में समस्त कर्मियों ने बाबू कुंवर सिंह के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें नमन कर याद किया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सीनेट सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने भी उन्हें पुष्प अर्पित कर उनकी विजयी गाथा को याद कर नमन किया। साथ ही उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए समारोह संबोधन में कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर कुंवर सिंह का जन्म 13 नवंबर 1777 को बिहार के भोजपुर जिले के जगदीशपुर में हुआ था। क्योंकि इसी दिन 1858 में उन्होंने जगदीशपुर के पास 80 के उम्र में भी ब्रिटिश सेना को करारी शिकस्त देते हुए अपने किले पर विजयी झण्डा फहराने का इतिहास रचा था। जिसे दिन को आज भी याद कर इसी ऐतिहासिक जीत के कारण बिहार सहित पूरे भारत में 23 अप्रैल के दिन को 'विजयोत्सव' के रूप में धूमधाम से मनाये हुए उनके शौर्यगाथा को याद किया जाता है। मौके प्राचार्य प्रो. डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, प्रो.बीरबहादुर सिंह, प्रो.उमा शंकर सिंह, प्रो.विवेक सिंह, प्रो.कुमार विवेक, प्रो. प्रियतम कुमार, प्रो.दिनेश सिंह, प्रो. मनीष कुमार, प्रो.अजीत कुमार,अभय कुमार सिंह, परवेज खां,मंटू चौधरी, नरेंद्र कुमार, हरेंद्र सिंह,अरुण,गोलू ,दिलीप,सतीश प्रदीप,परवीन सिंह सहित समस्त शिक्षक- शिक्षकेतर मौजूद थे।

जनगणना को लेकर डीएम ने अधिकारियों साथ की जूम मीटिंग

केटी न्यूज/आरा

जनगणना 2027 के अंतर्गत स्वप्रगणन प्रक्रिया के सफल संचालन एवं प्रभावी पर्यवेक्षण के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी, भोजपुर तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में जूम के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा स्व-प्रगणन कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, डीपीओ आईसीडीएस, डीपीएम जीविका सहित अन्य संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मियों के माध्यम से अधिकतम संख्या में स्व-प्रगणन सुनिश्चित कराएं। जिला पदाधिकारी ने जिला शिक्षा

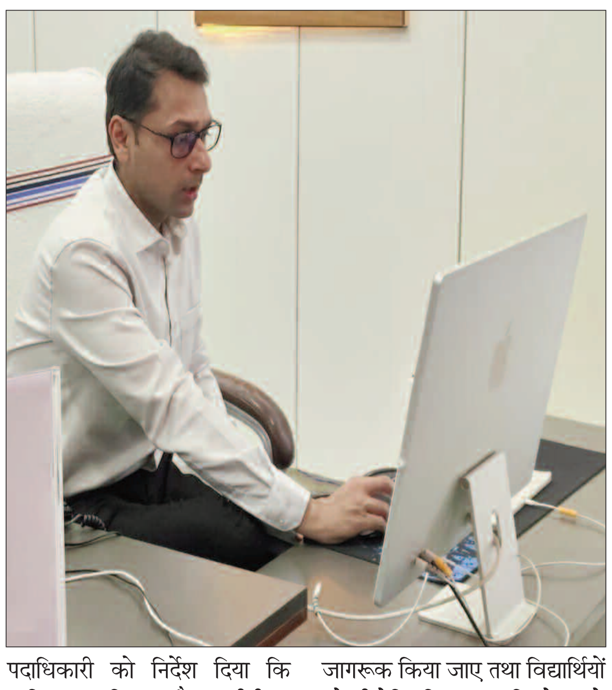

पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अभिभावक-शिक्षक बैठक पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों को जागरूक किया जाए तथा विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया जाए कि वे अपने अभिभावकों को स्व-प्रगणन हेतु प्रोत्साहित करें। डीपीएम जीविका को निर्देश दिया गया कि सभी जीविका दीदियों के माध्यम से अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को स्व-प्रगणन के प्रति जागरूक करें तथा वीओ बैठकों के माध्यम से भी व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी राशन विक्रेताओं द्वारा स्व-प्रगणन कार्य पूर्ण कराया जाए तथा वे अपने स्तर से भी आमजन को इसके लिए प्रेरित करें। जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सभी पंजीकृत किसानों का स्व-प्रगणन कार्य पूर्ण कराया जाए तथा कृषि समन्वयकों एवं किसान सलाहकारों के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। डीपीओ आईसीडीएस को निर्देशित किया गया कि आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों का स्व-प्रगणन कार्य पूर्ण कराया जाए। वहीं नगर आयुक्त, भोजपुर को सफाई कर्मियों के माध्यम से आमजन को जागरूक करने का निर्देश दिया गया।

जिला पदाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि स्व-प्रगणन कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सभी प्रखंड के वरीय पदाधिकारियों को प्रगति की सतत निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त गुंजन सिंह,अपर समाहर्ता भोजपुर, सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

विजयोत्सव पर विद्यालय में याद किए गए बाबू कुंवर सिंह

पीरो। बांकुड़ा बाबू कुवंर सिंह का विजयोत्सव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर अगिआंव बाजार में उत्साह से जयंती मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बाबू वीर कुंवर सिंह के जीवन,संघर्ष, वीरता

तथा राष्ट्र और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता दर्ज कराई। मौके पर जयंती शिक्षिका नीलम तिवारी ने अपने प्रेरणादायी गीतों से उत्साह भर दिया। जबकि सौरभ कुमार सिंह ने कहा कि बाबू वीर कुँवर सिंह से जीवन हमें साहस,राष्ट्रभक्ति एवं आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। प्रधानाचार्य अनिल कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को बाबू कुंवर सिंह के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ। अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्यगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

जनगणना को लेकर विशेष शिविर का आयोजन

आरा। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निदेर्शानुसार,आरा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत अम्बेडकर कॉलोनी,शिवगंज में जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व प्रगणन हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में नगर निगम के स्वच्छता साथियों द्वारा नागरिकों से स्व-प्रगणन के फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्व प्रगणन के लिए प्रोत्साहित करना व जनगणना कार्य में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस दौरान उपस्थित कर्मियों द्वारा लोगों को स्व-प्रगणन की प्रक्रिया की जानकारी भी दी जा रही है,ताकि वे स्वयं भी इस कार्य को आसानी से पूरा कर सकें।

वीर कुंवर सिंह की विजयोत्सव पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

आरा। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव के अवसर पर वीर कुंवर सिंह पार्क,आरा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अवसर पर जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया,पुलिस अधीक्षक राज सहित अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधियों ने झंडोत्तोलन किया। साथ ही वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने बाबू वीर कुंवर सिंह के अद्वितीय साहस,देशभक्ति एवं बलिदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। अवसर पर अपर समाहर्ता, नगर आयुक्त नगर निगम आरा,अनुमंडल पदाधिकारी सदर, विशेष कार्य पदाधिकारी भोजपुर,जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी,जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन देशभक्ति से वातावरण में संपन्न हुआ।

बिजली शॉर्ट सर्किट से लगी आग में दर्जनों किसानों की फसल जलकर राख

अगिआंव। चौरी थाना क्षेत्र के बेरथ गांव के बधार में लगी आग दर्जनों बीघा फसल जल कर राख हो गया। मौके पर किसानों के प्रयास और आग बुझाने वाली फायर बिर्गेड की गाड़ी की कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया। लोगों ने बताया कि बिजली की तार बार बार टकराने से उससे उठी चिंगारीयों की वजह से फसलो में लग जाती है नित्य प्रति रोज का यही हाल है आज फिर वही हाल हुआ जो कल हुआ था। जो बेरथ गांव के कियारी एवम चमोढ़ी बधार में देखते ही देखते बिजली की चिंगारी ने आग का भयंकर रूप धारण कर लिया, ग्रामीणों ने सैंकड़ो की संख्या में जुट कर आग पर नियंत्रण करने का प्रयास किया फिर भी दर्जनों बीघे जमीन पर लगी फसल आग की चपेट में आकर खाक हो गई।

सावधान : चार्जिंग के समय इलेक्ट्रिक स्कूटी में ब्लास्ट,घर में लगी आग

नवादा। जिला क्षेत्र में बुधवार को एक इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी चार्जिंग के समय अचानक ब्लास्ट हो गया। घटना वारसलीगंज नगर परिषद के वार्ड संख्या-6 के वार्ड पार्षद के घर में हुई है। वार्ड पार्षद का पुत्र विकास ने बताया कि ब्लास्ट से 10 मिनट पहले ही स्कूटी से धूंआ निकलते देखा। इसके बाद आनन-फानन में घर से बाहर दौड़कर निकल रहे थे, तभी ब्लास्ट होते ही नई स्कूटी जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि वार्ड पार्षद सुनैना देवी के बेटे विकास कुमार बुधवार को ही नई इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदा था। जिस स्कूटी को घर में चार्जिंग के लिए लगाया था इसी दौरान ही ब्लास्ट हुआ। घटना में घर में रखे कागजात,टेलीविजन,पंखा,बाइक और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गए। जिसमें लगभग 4 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। जब घटना हुई तब घर के सभी सदस्य दूसरे रूम में सो रहे थे। जैसे ही ब्लास्ट की आवाज आई सभी घर के बाहर निकल गए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। वार्ड पार्षद सुनैना देवी मूल रूप से वार्ड संख्या 6 के मुरलाचक इलाके की निवासी हैं। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।

निर्दलीय प्रत्याशी मनोज उपाध्याय ने किया शक्ति प्रदर्शन

आरा : पूजन के बाद जनप्रतिनिधियों के विशाल जनसमूह के साथ भरा नामांकन

केटी न्यूज/आरा

बक्सर एमएलसी उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी मनोज उपाध्याय ने बुधवार को जनप्रतिनिधियों के विशाल जनसमूह के साथ नामांकन दाखिल किया। नामांकन से पहले उन्होंने स्थानीय मंदिरमाँ अरण्य देवी, बड़ी मठिया, रमना हनुमान मंदिर में पूजन-अर्चन के बाद जनता से आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके साथ जिला परिषद्, मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत प्रतिनिधि हजारों समर्थक सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे। ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच नामांकन जुलूस निकाला गया। मनोज उपाध्याय ने कहा, "यह लड़ाई जनता की है। वंशवाद के खिलाफ

जमीनी कार्यकताओं की आवाज बनकर मैदान में उतरा हूं। नामांकन के बाद उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का समर्थन उनके साथ है और वे तमाम जनप्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। जीत सुनिश्चित करने और आशिर्वाद देने के लिए जो ये विशाल जनसमूह उमड़ा है उसके लिए आभारी हूँ।

सहरसा एयरपोर्ट अपग्रेडेशन के लिए टेंडर जारी, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

एजेंसी। पटना

बिहार के सहरसा जिले के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लंबे समय से जिस हवाई सुविधा का इंतजार किया जा रहा था, अब वह सपना साकार होने की ओर बढ़ चुका है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सहरसा एयरपोर्ट के अपग्रेडेशन और आधुनिक टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इसके साथ ही क्षेत्र में हवाई यात्रा के नए दौर की

शुरूआत होने जा रही है। करीब 35.14 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस परियोजना के तहत एयरपोर्ट को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। यहां एक प्री-फैब्रिकेटेड टर्मिनल बिल्डिंग बनाई जाएगी, जहां यात्री सुविधाजनक तरीके से अपनी यात्रा शुरू कर सकेंगे। साथ ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर और अन्य जरूरी ढांचे भी तैयार किए जाएंगे, ताकि उड़ानों का संचालन सुचारु रूप से हो सके। इस परियोजना की सबसे खास बात यह है कि इसे पूरा करने के लिए 450 दिनों का लक्ष्य तय किया गया है। यानी आने वाले डेढ़ साल में सहरसा के आसमान में विमानों की आवाज सुनाई देने लगेगी। इसके लिए 15 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया भी लगभग पूरी हो चुकी है, जिससे निर्माण कार्य में कोई बड़ी बाधा नहीं आने की उम्मीद है। एयरपोर्ट के लिए 1000 मीटर लंबा और 30 मीटर चौड़ा रनवे तैयार किया जाएगा, जो छोटे विमानों के संचालन के लिए उपयुक्त होगा। उड़ान योजना के तहत विकसित होने वाले इस एयरपोर्ट से 15 से 20 सीटों वाले छोटे विमान उड़ान भर सकेंगे। इसके अलावा बीचक्राफ्ट और डोरनियर जैसे विमान भी यहां से ऑपरेट किए जा सकेंगे। अब तक सहरसा और आसपास के जिलों के लोगों को हवाई यात्रा के लिए पटना या पूर्णिया जाना पड़ता था, जो समय और खर्च दोनों बढ़ाता था। लेकिन अब सहरसा में ही एयरपोर्ट बनने से लोगों को अपने ही जिले से उड़ान भरने का मौका मिलेगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि यात्रा भी ज्यादा आसान और सुविधाजनक हो जाएगी।

सम्राट के सीएम बनते ही सरकार का मिजाज बदला : सरकारी कर्मचारियों-अधिकारियों को मिली सख्त चेतावनी, सुधर जाइये वर्ना होगा बड़ी कार्रवाई

एजेंसी। पटना

बजे लेट नहीं और 4 बजे भेंट नहीं की कार्यशैली को अपनाने वाले सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों पर अब गाज गिरेगी. सम्राट चौधरी के सीएम बनने के बाद एक्शन में आई सरकार ने सरकारी दफ्तरों में कामकाज पर नया फरमान जारी कर दिया है. अब सरकारी नौकरी में आराम फरमाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर गाज गिरने वाली है. सरकार ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है. सीएम सम्राट चौधरी के दिशा-निर्देश पर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सरकारी कार्यालयों में सुस्त कार्यसंस्कृति और लेटलतीफी पर बेहद सख्त रुख अपनाया है. मुख्य सचिव ने साफ कर दिया है कि सरकारी दफ्तरों में अब कर्मचारियों और अधिकारियों की मनमानी नहीं चलेगी, उन्हें काम करना ही पड़ेगा. मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सारे जिलों के जिलाधिकारियों के साथ साथ सभी विभागों के प्रमुख को इस संबंध में पत्र लिखा है. पत्र में कहा गया कि सरकारी नौकरी करने वालों को कार्यालय में समय पर आकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना और दफ्तर की अवधि के दौरान सरकारी दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना अनिवार्य है. इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी. मुख्य सचिव ने निर्देश दिया है कि सारे सरकारी दफ्तरों में अब औचक निरीक्षण किया जाएगा और यदि कोई कर्मचारी अनुपस्थित पाया जाता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जायेगी. सारे सरकारी दफ्तरों में बायोमेट्रिक्स से उपस्थिति दर्ज कराने का भी निर्देश दिया गया है।

लेट से पहुंचे तो वेतन कटेगा

मुख्य सचिव ने लेट से दफ्तर आने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए सख्त चेतावनी के साथ साथ उनके खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है. समय पर दफ्तर नहीं आने वाले कर्मचारियों का वेतन काटने का आदेश दिया गया है. ऐसे कर्मचारी और अधिकारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचते हैं तो सबसे पहले उनके अवकाश खाते से छुट्टी काट ली जायेगी. यदि उनके अवकाश खाते में छुट्टी बची हुई नहीं है, तो लेट से आने की अवधि के लिए उनके वेतन से कटौती की जाएगी। मुख्य सचिव ने वेतन तैयार करने वाले सभी निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि वे उपस्थिति विवरणी के आधार पर ही वेतन विपत्र तैयार करें, अन्यथा जवाबदेही उनकी होगी।

कार्यालय समय को लेकर भी गाइडलाइन

मुख्य सचिव ने बिहार सरकार के कार्यालयों के लिए निर्धारित समय को फिर से स्पष्ट किया है. इसका मकसद ये है कि कर्मचारियों-अधिकारियों से लेकर आम लोगों के बीच किसी भी तरह का भ्रम न रहे। सरकार के जिन दफ्तरों में सप्ताह में पांच दिन काम हो रहा है, उन कार्यालयों में काम का समय सुबह 09:30 बजे से शाम 06:00 बजे तक है. इसमें दोपहर 01:00 से 02:00 बजे तक लंच का समय होगा. हालांकि नियमित महिला कर्मचारियों के लिए कार्यालय की अवधि सुबह 09:30 बजे से शाम 05:00 बजे तक ही रहेगी. क्षेत्रीय और जिला कार्यालयों जैसे प्रमण्डलीय आयुक्त, जिलाधिकारी और मुख्य अभियंताओं के कार्यालय में छह दिवसीय कार्य प्रणाली लागू है यानि सप्ताह में 6 दिन काम होता है. वहां कार्यालय का समय सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक है, जबकि नवंबर से फरवरी तक कार्यालय का समय सुबह 10:30 बजे से शाम 05:00 बजे तक होता है. इसमें दोपहर 01:30 से 02:00 बजे तक भोजन का समय है।

बिहार में सामूहिक सड़क हादसों को मिला आपदा का दर्जा, पीड़ितों को तुरंत मिलेगा मुआवजा

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने सड़क हादसों के पीड़ितों को राहत देने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। राज्य में सामूहिक सड़क दुर्घटनाओं को एक बार फिर ह्यविशेष स्थानीय आपदाह्न की श्रेणी में शामिल कर दिया गया है। इस प्रस्ताव को मंत्रिमंडल की मंजूरी भी मिल चुकी है। इसका उद्देश्य हादसों में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों और गंभीर रूप से घायलों को तुरंत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2015 में आपदा प्रबंधन विभाग ने सामूहिक सड़क दुर्घटनाओं को विशेष आपदा मानते हुए अनुग्रह अनुदान देने की व्यवस्था शुरू की थी। हालांकि, 2021 में परिवहन विभाग ने मोटर गाड़ी नियमावली में संशोधन कर इस प्रावधान को समाप्त कर दिया और मुआवजे के लिए अलग व्यवस्था लागू की गई। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह सामने आया कि मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के जरिए मुआवजा मिलने में काफी देरी होती है, जिससे पीड़ित परिवारों को तुरंत राहत नहीं मिल पाती। इस समस्या को देखते हुए सरकार ने मामले की समीक्षा की और अब

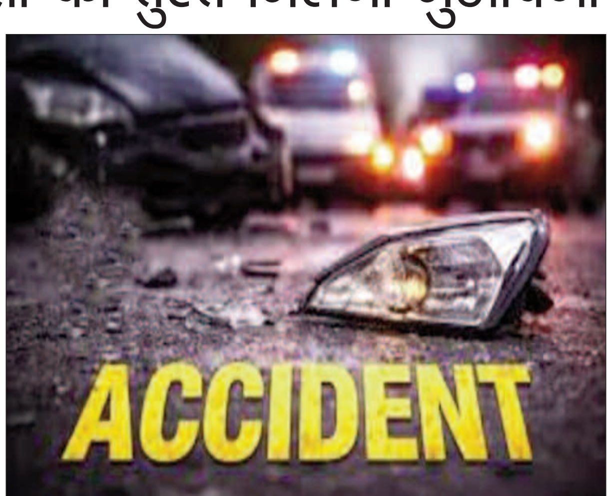

सामूहिक दुर्घटनाओं को फिर से आपदा की श्रेणी में शामिल करने का फैसला लिया है। इस फैसले के तहत मृतकों के निकटतम परिजनों और गंभीर रूप से घायलों को राज्य आपदा रिस्पॉन्स फंड के मानकों के अनुसार अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। इससे पीड़ितों को त्वरित आर्थिक सहायता मिलेगी और लंबी कानूनी प्रक्रिया से भी राहत मिलेगी। इसके अलावा, सरकार ने 15 सितंबर 2021 से 31 मार्च 2022 के बीच हुई सामूहिक दुर्घटनाओं के मामलों में भी राहत देने का निर्णय लिया है। इस अवधि में मुआवजे को लेकर असमंजस की स्थिति थी, क्योंकि 2015 की व्यवस्था को सितंबर 2021 में समाप्त कर दिया गया था और 2022 में हिट एंड रन मामलों में केंद्र के नए निर्देश लागू हुए थे। अब सरकार ने तय किया है कि इस अंतरिम अवधि के पीड़ितों को 2015 के मानकों के अनुसार अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। हालांकि, यह सहायता केवल उन्हीं लोगों को मिलेगी जिन्हें किसी अन्य स्रोत से मुआवजा प्राप्त नहीं हुआ है।

कोसी नदी में नहाने गई 3 बच्चियों की डूबकर मौत, एक लापता, तलाश जारी

एजेंसी। पटना

बिहार के सुपौल जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां कोसी नदी में नहाने गई चार मासूम बच्चियों में से तीन की डूबकर मौत हो गई, जबकि एक बच्ची अब भी लापता है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना सदर प्रखंड के गोपालपुर सिरे पंचायत के वार्ड संख्या दो की है, जहां बुधवार की दोपहर करीब ढाई बजे यह हादसा हुआ। मृतक बच्चियों की पहचान नंदनी कुमारी (10 वर्ष), सुनीता कुमारी (12 वर्ष) और प्रियांशु कुमारी (12 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं बच्चेलाल सादा की 10 वर्षीय पुत्री राधिका कुमारी का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। ग्रामीण सुरेंद्र प्रसाद यादव के अनुसार, सभी बच्चियां घर से करीब आधा किलोमीटर दूर कोसी तटबंध के अंदर स्थित गोपालपुर सिरे घाट पर नहाने के लिए गई थीं। गर्मी और दोपहर के समय नदी किनारे का इलाका सुनसान था। इसी दौरान खेल-खेल में बच्चियां धीरे-धीरे गहरे पानी की ओर बढ़ गईं। बताया जाता है कि अचानक पानी की गहराई और तेज बहाव ने उन्हें

अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते चारों बच्चियां डूबने लगीं। उस समय आसपास कोई बड़ा व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे तुरंत मदद मिल पाती। वहां मौजूद एक अन्य बच्ची बॉबी कुमारी ने जब अपनी सहेलियों को डूबते देखा तो घबरा गई और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। बॉबी किसी तरह गांव तक दौड़कर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। देखते ही देखते नदी किनारे लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस बीच स्थानीय आपदा मित्रों को भी सूचना दी गई, जो तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों और आपदा मित्रों की मदद से काफी मशक्कत के बाद एक-एक कर तीनों बच्चियों के शव नदी से बाहर निकाले गए। यह दृश्य इतना दर्दनाक था कि वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। हालांकि, राधिका कुमारी का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। उसकी तलाश लगातार जारी है। प्रभारी सीओ संदीप कुमार ने बताया कि लापता बच्ची की खोज के लिए गुरुवार सुबह से एनडीआरएफ की टीम द्वारा विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। जिन घरों में कुछ देर पहले तक बच्चों की किलकारियां गूंज रही थीं, वहां अब चीख-पुकार और सन्नाटा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और हर कोई इस हादसे से स्तब्ध है।

एक नजर

आईजीआईएमएस की परीक्षा में हुए कथित पेपर लीक की जांच शुरू, डायरेक्टर को जल्द सौंपी जाएगी रिपोर्ट

पटना। पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में एमबीबीएस व पीजी परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक मामले को संस्थान ने काफी गंभीरता से लिया है। परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं की जांच के लिए आईजीआईएमएस की शैक्षणिक संकाय के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ओम कुमार की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन कर दिया गया है। इस जांच समिति का गठन संस्थान के निदेशक द्वारा किया गया है। आईजीआईएमएस के उप निदेशक प्रो. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि यह जांच समिति परीक्षा से संबंधित सभी पहलुओं की सूक्ष्मता से जांच कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जांच समिति द्वारा अपना जांच प्रतिवेदन जल्द ही संस्थान के निदेशक को समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान के मुख्य प्रवक्ता के पद हुआ प्रशासनिक बदलाव प्रेस मीडिया के साथ जानकारियों को नियमानुसार साझा करने के लिए किया गया है।

शादी की खुशियों के बीच पसरा मातम: एक तरफ उठी बहन की डोली,दूसरी ओर दो भाईयों की अर्थी

मधेपुरा। बिहार के मधेपुरा जिले से दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जहां शादी की खुशियां अचानक गम में तब्दिल हो गयी। दर्दनाक सड़क हादसे में दुल्हन के दो भाईयों की मौत हो गयी। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक तरफ बहन की डोली उठी वही दूसरी तरफ भाई की अर्थी उठाई गयी। सड़क हादसे में दुल्हन के दो भाईयों की मौत हो गयी। घटना मधेपुराझ्रपूर्णिया एनएच-107 पर मधेपुरा और पूर्णिया जिला की सीमा के पास जानकीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत चैनपुरा गांव के पास की है। जहाँ देर रात एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ट्रक (ठछ 01अइ 6220) आधा सड़क पर और आधा नीचे खड़ा था, जो पूर्णिया की ओर जाने के लिए लगा हुआ था। इसी दौरान मुरलीगंज से जानकीनगर की ओर जा रही तेज रफ्तार हीरो होंडा स्प्लेंडर बाइक (इफ 11अफ 1913) अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान मुरलीगंज नगर पंचायत वार्ड संख्या 10 निवासी मनोज राम के पुत्र सुधीर कुमार राम के रूप में हुई है। वहीं दूसरे युवक की पहचान विक्की राम के रूप में हुई है, जो सुधीर के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। विक्की राम, नारायणपट्टी मुरहो (मधेपुरा) निवासी सचेन्द्र राम के पुत्र थे। घटना के संबंध में मृतक सुधीर के परिजन ने बताया कि उनके घर में छोटी बेटी की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। तभी जानकारी मिली की बारात रास्ता भटक गया है और उसे रिसीव करने के लिए सुधीर अपने बहन के देवर विक्की के साथ मोटरसाइकिल से निकला है लेकिन कुछ देर बाद बरात आ गई सुधीर और उनकी बहन के देवर विक्की नहीं लौटे लेकिन किसी ने उनका ख्याल नहीं किया।

प्रेम विवाह का खौफनाक अंजाम : साले ने बहनोई की हत्या कर खेत में दफनाया शव, आरोपी गिरफ्तार

पटना । पूर्वी चंपारण और मुजफ्फरपुर से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां प्रेम विवाह से नाराज साले ने बहनोई की हत्या कर शव को खेत में दफना दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर जेसीबी से खुदाई कर शव बरामद किया है। घटना के खुलासे के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर के साहेबगंज थाना क्षेत्र के अहियापुर बड़ा खुसेर्दा निवासी सुनील कुमार 15 अप्रैल की रात करीब 9 बजे स्कूटी से घर से निकले थे। पत्नी शिल्पी कुमारी को बताया था कि उनके भाई सुमंत कुमार ने फोन कर मिलने के लिए बुलाया है। इसके बाद वह लापता हो गए। 17 अप्रैल को चकदरिया पुल के पास राघवा नदी किनारे उनकी स्कूटी बरामद हुई। इसके बाद पत्नी शिल्पी ने अपने भाई सुमंत और अन्य के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर केसरिया थाना क्षेत्र निवासी सुमंत कुमार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम पूर्वी चंपारण के बिजधारी थाना क्षेत्र स्थित बगही चौर पहुंची। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में जेसीबी से खुदाई कर शव बरामद किया गया। मौके पर एफएसएल टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। शव की पहचान मृतक की पत्नी शिल्पी कुमारी और अन्य परिजनों ने की। पुलिस के अनुसार, शिल्पी कुमारी ने करीब ढाई साल पहले सुनील कुमार से प्रेम विवाह किया था। दोनों का एक साल का बच्चा भी है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, राजस्व बढ़ाने का दिया निर्देश

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में वित्त विभाग तथा आंतरिक संसाधन से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक हुई। जिसमें दोनों डिप्टी सीएम विजय चौधरी और विजेन्द्र यादव मौजूद रहे। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी है, इसे और बेहतर करने के लिये सभी विभाग सुनियोजित ढंग से काम करें। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में वित्त विभाग तथा आंतरिक संसाधन से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा के दौरान वित्त विभाग, वाणिज्यकर विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, मद्य निषेद्य, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, परिवहन विभाग, पंचायती राज विभाग के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग का लक्ष्य एवं उसके अनुपात में किये गये राजस्व संग्रहण तथा अन्य उपलब्धि आदि के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी।

बिहार में आसमान से बरसेगी आग, 45°C के पार जाएगा पारा, भीषण लू का अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में इस साल गर्मी ने समय से पहले ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बिहार के कई जिलों में अभी से लू का असर दिखने लगा है और आने वाले दिनों में हालात और भी भयावह होने की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, इस बार दो जेठ (अधिक मास) होने के कारण गर्मी का दौर लंबा खिंचेगा, जिससे तापमान पुराने रिकॉर्ड भी तोड़ सकता है। उगर्म और शुष्क पछुआ हवाओं के कारण राज्य के शहरों से लेकर गांव तक तपने लगे हैं। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है, लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं। इसका असर सिर्फ इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों पर भी साफ दिख रहा है। खेतों में काम करना मुश्किल हो गया है और बाजारों में भी भीड़ कम हो गई है।मौसम विभाग ने खासतौर पर

बक्सर, औरंगाबाद, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, गया, नवादा और अरवल जैसे जिलों में उष्ण लहर का खतरा जताया है। इन इलाकों में तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं उत्तर बिहार के पूर्णिया और किशनगंज जैसे जिले भी इस तपिश से अछूते नहीं रहेंगे।

विशेषज्ञों का कहना है कि मई के पहले सप्ताह से गर्मी और अधिक तेज हो जाएगी। लगातार बढ़ते तापमान के कारण भूजल स्तर भी नीचे जा रहा है, जिससे पेयजल संकट की स्थिति बन सकती है। कालबैशाखी जैसी मौसमी बारिश इस बार कमजोर पड़ रही है, जिससे तापमान को नियंत्रित करने वाली प्राकृतिक प्रक्रिया भी असरहीन हो गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 40 से 45 डिग्री तापमान के बीच हीट स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ जाता है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। लोगों को सलाह दी गई है कि दोपहर के समय बाहर निकलने से बचें, अधिक से अधिक पानी पिएं और हल्के व ढीले कपड़े पहनें। पशुपालकों को भी सलाह दी गई है कि वे अपने पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त पानी उपलब्ध कराएं, क्योंकि अत्यधिक गर्मी उनके लिए भी खतरनाक साबित हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिससे सीमित क्षेत्रों में हल्की बारिश या आंधी आ सकती है। हालांकि, इससे पूरे राज्य को बड़ी राहत मिलने की संभावना कम है। ऐसे में बिहार इस बार भीषण गर्मी की चपेट में आने वाला है, जहां लोगों को आने वाले हफ्तों में सचमुच ह्यअग्नि परीक्षाह्न से गुजरना पड़ सकता है। इस स्थिती में सतर्कता और सावधानी ही इस तपती गर्मी से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

मुजफ्फरपुर में तिवारी गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार, हथियार भी बरामद, एक आरोपी फरार

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर में मुरौल स्थित तिरहुत नहर पुल के समीप गुरुवार को वाहन चेकिंग के दौरान तिवारी गैंग के दो शातिर अपराधियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया, जबकि उनका एक साथी बाइक लेकर फरार हो गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान पटना जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी छोटू मिश्रा और विकास कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्टल, तीन कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। इस संबंध में सकरा थाना कांड संख्या 240/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।एसडीपीओ पूर्वी-2 (सकरा) मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में लौतन गांव की ओर से एक बाइक पर सवार तीन युवकों को आते देखा गया। पुलिस को देखते ही तीनों भागने लगे। तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने पीछा कर दो अपराधियों को पकड़ लिया, जबकि बाइक चालक फरार हो गया। प्राथमिक पूछताछ में गिरफ्तार दोनों अपराधियों ने सकरा क्षेत्र में एक किसान से हुई 50 हजार रुपये की लूट में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, तीनों अपराधी किसी नई वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अपराधी तिवारी गैंग के सक्रिय सदस्य हैं। इस गैंग का नेटवर्क बिहार के कई जिलों में फैला हुआ है और यह विशेष रूप से बैंक से पैसा निकालकर लौट रहे लोगों को निशाना बनाता है। सकरा इलाके में इस गैंग के करीब एक दर्जन सदस्य सक्रिय हैं, जो लूट और झपटमारी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार छोटू मिश्रा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। वह आर्म्स एक्ट और डकैती जैसे मामलों में जेल जा चुका है। मढ़ौरा थाना कांड संख्या 611/25 (आर्म्स एक्ट) में भी उसका नाम दर्ज है। अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने फरार अपराधी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। एसडीपीओ ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, एसआई अमित कुमार, एसआई शैलेश कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।